अध्याय – चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.0 भूमिका

4.1 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना – 1

परिकल्पना – 2

परिकल्पना – 3

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.0 भूमिका :–

संग्रहित समको का विश्लेषण व सारणीकरण तथा प्रस्तुतीकरण आदि अनुसंधान कार्य का महत्वपूर्ण अंग है, जिसे प्रयुक्त किए बिना शोध कार्य को विधिवत प्रस्तुत करना संभव नहीं है। इस अध्याय मं कक्षा छटवी के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावं का अध्ययन करने के उद्देश्य से एकत्रित किए गए आंकडों का विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण करते समय अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर निष्कर्ष निकाले गए हैं।

4.1 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

एफ.एम. कर्लिंग के अनुसार प्रदत्तों का विश्लेषण व व्याखा –

"प्रदत्तों का विश्लेषण व व्याखा प्रदत्तों को समस्या के हल तक पहुंचने के लिए सरलीकरण है जिससे शोध के प्रश्नों के निश्चित प्राप्त हो।"

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

अध्ययन की समस्या के आधार पर विश्लेषण को निम्नलिखित भागों में विभक्त किया गया है।

1. चयनित व्यक्तित्व विशेषकों
2. शैक्षिक उपलब्धि

परिकल्पना : 1 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसम्बंध नहीं हैं।

उपरोक्त परिकल्पना को सुगमता हेतु निम्नलिखित सात भागों में विभक्त किया गया है।

1.1 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

LIBRARY

1.2 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

1.3 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

1.4 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

1.5 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

1.6 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

1.7 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

उपरोक्त परिकल्पनाओं को क्रमानुसार निम्नलिखित तालिकाओं मे परीक्षण किया गया।

परिकल्पना : 1.1 विधार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

तालिका 4.1.1 – चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसंबंध	सार्थकता
1	व्यक्तित्व विशेषक 'A'	404	402	0.25 *	0.00
2	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र.– 4.1.1 में 'r' का मान 0.25 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बन्ध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.1 अस्वीकृत की जा सकती है।**

विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होना प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों का समूह से अलग रहना, कक्षा में सहभागी न होना, शिक्षक से संवाद न स्थापित करने से उनकी शैक्षिक उपलब्धि को निम्न होती है। जबकि शिक्षक से संवाद करने तथा कक्षा में सहभागी होने से शैक्षिक उपलब्धि उच्च हो सकती है।

परिकल्पना 1.2 : विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

तालिका 4.1.2 : चयनित व्यक्तिगत विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य की सार्थकता।

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'B'	404	402	0.54 *	0.00
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.1.2 में 'r' का मान 0.54 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है। कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक B (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बंध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.2 अस्वीकृत की जा सकती है।**

Regional Institute of Education LIBRARY

विघार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होने से यह ज्ञात होता है कि अत्यधिक बुद्धिमान विद्यार्थियों में एकाग्रचित्तता समस्या समाधान, समस्या को विभिन्न विधि से सीखने की प्रवृत्ति, कार्य के प्रति लगन आदि होने से उनकी शैक्षिक उपलब्धि उच्च होती है। जबकि वंशानुगत, पर्याप्त शैक्षिक वातावरण की कमी से शैक्षिक उपलब्धि निम्न होती है।

परिकल्पना 1.3 : विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका क्र. 4.1.3 : चयनित व्यक्तिगत विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'D'	404	402	0.50 *	0.00
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका 4.1.3 में 'r' का मान 0.50 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.3 अस्वीकार की जा सकती है।**

विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बंध होना यह प्रदर्शित करता है कि आलसी, नीरस, सीखने के प्रति अनुत्साहित होने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न होती है, जबकि अध्ययन में उत्साह प्रदर्शन करने वाले सीखने के प्रति सक्रिय, समूह में दिए हुए विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च हो सकती है।

परिकल्पना क्र. 1.4 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका क्र. 4.1.4 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	स्वतंत्रता की कोटि	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'E'	404	402	0.28 *	0.00
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका 4.1.4 में 'r' का मान 0.28 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बन्ध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.4 अस्वीकृत की जा सकती है।**

विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होना यह प्रदर्शित करता है कि आज्ञाकारी सरल हृदय, मृदु आसानी से किसी के अधीन होने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से धनिष्ठ संबंध है। क्योंकि जिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न होती है। वे इस कमी को दूर करने के लिए कोमलता व आज्ञाकारिता प्रदर्शित करते हैं। क्योंकि उनमें प्रतिस्पर्धात्मक व्यवहार की कमी, हार का डर जिम्मेदारी से बचना आदि व्यवहार देखा गया है। जबकि इसके विपरीत अध्ययन में प्रतिस्पर्धा, प्रभावकारी, अपने विचारों को दृढता से करने वाले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास होने से उनकी अध्ययन में उच्च शैक्षिक उपलब्धि हो सकती है।

परिकल्पना 1.5 : विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बंध नहीं है।

तालिका क्र. 4.1.5 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'G'	404	402	0.99 *	0.047
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.05 स्तर पर सार्थक

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.1.5 में 'r' का मान 0.99 हैं जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बन्ध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.5 अस्वीकार की जा सकती है।**

· विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होना यह प्रदर्शित करता है कि निर्भर रहने की योग्यता से विद्यार्थी की स्वतंत्र विचारधारा विकसित नही हो पाती है। अपने विद्यालय के विषयों में भी वह स्वतंत्रापूर्वक सोच नही पाता है! जबकि स्वत्रंत विचारधारा का समुचित रूप से विकसित होना उसकी शैक्षिक उपलब्धि को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है।

परिकल्पना 1.6 : विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका क्र. 4.1.6 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'H'	404	402	0.33 *	0.00
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.1.6 में 'r' का मान 0.33 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बन्ध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.6 अस्वीकार की जा सकती है।**

विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होना यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों में शर्मीलापन का गुण होने के कारण वे अत्यधिक संवदेनशील होते हैं। कक्षा के सामाजिक वातावरण में घुल मिल नहीं पाते हैं तथा न तो वे शिक्षक तथा नही अपने साथियों से शैक्षिक समस्याओं का समाधान कर पाते हैं। ऐसे विधार्थी अकेले रहना पसंद करने वाले, जटिल व्यक्तित्व वाले शांत, आलसी, अक्रिय होते हैं। जिसके कारण शैक्षिक उपलब्धि कम पाई जा सकती है। ऐसे विद्यार्थी पारिवारिक वातावरण अनुकूल न होने समाज व विद्यालय में शिक्षक का ध्यान न होने के कारण और भी शर्मीले होते जाते हैं। जबकि इसके विपरीत उत्साही सामाजिक घुलने मिलने वाले जल्दी ही संवाद स्थापित करने वाले, सदा प्रसन्न रहने वाले, साहसी, सक्रिय रहने वाले विद्यार्थी अपनी शैक्षिक उपलब्धि में भी अच्छे हो सकते है।

परिकल्पना 1.7 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका 4.1.7 : चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता

क्र.	चर	विद्यार्थियों की संख्या	मुक्तांश	सहसम्बंध	सार्थकता
1.	व्यक्तित्व विशेषक 'O'	404	402	0.26 *	0.00
2.	शैक्षिक उपलब्धि				

* 0.01 स्तर पर सार्थक

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका 4.1.7 में 'r' का मान 0.26 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। यह प्रदर्शित करता है कि विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक धनात्मक सम्बंध है। **इस प्रकार परिकल्पना क्र. 1.7 अस्वीकार की जा सकती है।**

विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' तथा शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध होना यह प्रदर्शित करता है कि शान्त अध्ययन के प्रति गंभीर, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अच्छी हो सकती है।

परिकल्पना 2 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों में सार्थक अंतर नहीं है। उपरोक्त परिकल्पना को सुगमता हेतु सात भागों में विभक्त किया गया है। जो निम्नलिखित है।

2.1 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) में सार्थक अंतर नहीं है।

2.2 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (कम बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) में सार्थक अंतर नहीं है।

2.3 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) में सार्थक अंतर नहीं है।

2.4 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) में सार्थक अंतर नहीं है।

2.5 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) में सार्थक अंतर नही है।

2.6 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) में सार्थक अंतर नहीं है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

2.7 छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) में सार्थक अंतर नहीं है।

उपरोक्त परिकल्पनाओं को निम्नलिखित तालिका में परीक्षण किया गया है।

तालिका क्र. 4.2 : छात्र तथा छात्राओं के मध्य चयनित व्यक्तित्व विशेषकों के लिए 'टी' मान :–

क्र.	व्यक्तित्व विशेषक	वर्गवारी	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	'टी' मान	सार्थकता
1	'A'	छात्र छात्राएं	16.93 9.70	18.73 5.34	132 272	402	5.8*	0.00
2	'B'	छात्र छात्राएं	10.19 4.68	5.81 4.09	132 272	402	10.9*	0.00
3	'D'	छात्र छात्राएं	12.11 7.62	5.94 5.29	132 272	402	7.6*	0.00
4	'E'	छात्र छात्राएं	10.09 9.54	6.37 7.54	132 272	402	0.716**	0.474
5	'G'	छात्र छात्राएं	6.30 15.73	5.20 4.02	132 272	402	19.8*	0.00
6	'H'	छात्र छात्राएं	14.62 12.58	4.20 4.29	132 272	402	4.4*	0.00
7	'O'	छात्र छात्राएं	6.59 10.92	5.92 5.81	132 272	402	6.9*	0.00

* 0.01 स्तर पर सार्थक * * सार्थक नही

परिकल्पना 2.1 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में व्यक्तित्व विशेषक 'A' के लिए 'टी' मान 5.8 है जो सार्थक है। छात्र तथा छात्राओं के मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 16.93 है जबकि छात्राओं का मध्यमान 9.70 है जो यह प्रदर्शित करता है कि छात्र छात्राओं की अपेक्षा अधिक उत्साही, सरलता से सीखने वाले, प्रत्येक कार्य में भाग लेने वाले कोमल हृदय है अतः परिकल्पना क्र. 2.1 अस्वीकार की जा सकती है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) के लिए छात्र तथा छात्राओं व्यक्तित्व में अन्तर होने का कारण छात्राओं पर कार्य का बोझ, पारिवारिक वातावरण अच्छा न होना हो सकते हैं।

परिकल्पना 2.2 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) के लिए 'टी' मान 10.9 है। जो उच्च सार्थक है। छात्र तथा छात्राओं की मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 10.19 हे जबकि छात्राओं का मध्यमान 4.68 है जो प्रदर्शित करता है कि छात्र छात्राओं की अपेक्षा अधिक सुपीरियर हैं। **अतः परिकल्पना क्र. 4.2 अस्वीकार की जा सकती है।**

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) के लिए छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व में अन्तर होने का कारण वंशानुगत, स्त्री शिक्षा के प्रति पूर्वग्रह, ट्यूशन की कमी, कठिन विषयों तथा अवधारणाओं को न समझ पाना हो सकता है।

परिकल्पना 2.3 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) के लिए 'टी' मान 7.6 है जो सार्थक है। छात्र तथा छात्राओं के अध्ययन की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 12.11 छात्राओं के मध्यमान 7.62 की अपेक्षा अधिक है जो यह प्रदर्शित करता है। कि छात्र, छात्राओं की अपेक्षा अधिक क्रियाशील, हर बात समझने वाला सजग उत्तेजित अधीर है। **अतः यह परिकल्पना 2.3 अस्वीकार की जा सकती है।**

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' के लिए छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व में अन्तर होने का कारण अच्छा स्वास्थ्य, प्रसन्नचित रहना, भावुक न होना, समझदारी हो सकता हे। इसके विपरीत छात्राएं परिवार व समाज का सहयोग न मिलने के कारण भाई–बहनों की जिम्मेदारी, गृह कार्य, घरों में मजदूरी आदि करने के कारण भावुक अप्रसन्नचित हो सकती है।

परिकल्पना 2.4 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में छात्र–छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) के लिए 'टी' मान 0.716 है जो सार्थक नहीं है। छात्र तथा छात्राओं के मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्राओं का मध्यमान 10.09 जबकि छात्राओं का मध्यमान 9.54 है **अतः परिकल्पना क्र. 2.4 अस्वीकार नहीं की जा सकती है।**

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) के लिए छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व में अन्तर होने का कारण लड़कों के प्रति संकीर्ण मान सिकता, बाह्य वातावरण के संपर्क में न आना स्वतंत्र सोच का अभाव हो सकता है।

परिकल्पना 2.5 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में छात्र–छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) के लिए 'टी' मान 19.8 है जो उच्च सार्थक है। छात्र–छात्राओं के मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 6.30 है जबकि छात्राओं का मध्यमान 15.73 है। इससे प्रदर्शित होता है कि छात्राएं छात्रों की अपेक्षा अधिक सरल स्वभाव, चरित्रवान, गंभीर, नैतिक, कर्तव्यनिष्ठ है। **अतः परिकल्पना क्र. 2.5 अस्वीकार की जा सकती है।**

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) के लिए छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व में अन्तर होने का कारण छात्राओं का पारिवारिक वातावरण, नैतिकता बोलने का अवसर कम मिलना हो सकता है।

परिकल्पना 2.6 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :–

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) के लिए 'टी' मान 4.4 है जो सार्थक है। छात्र तथा छात्राओं के मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 14.62 हैं जबकि छात्राओं का मध्यमान 12.58 है। इससे प्रदर्शित होता है कि छात्र छात्राओं की अपेक्षा अधिक साहसी, निडर,, मिलनसार, चिन्ता मुक्त पाएं गए। **अतः परिकल्पना क्र. 2.6 अस्वीकार की जा सकती है।**

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) के लिए छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व में अंतर होने का कारण लड़कों का पालनपोषण, उनके प्रति कठोरता साहसिक खेल, समूह ये अधिक रहना हो सकता हे। जबकि छात्राओं के लड़कियों के प्रति सामाजिक रूढियां, बंधन, पूर्वाग्रह, विचारों को व्यक्त न करने देना, शर्मीले स्वभाव को समाज की मान्यता उसे अच्छा मानना उन्हें साहसिक खेलों से दूर रखना, गरीबी के कारण साधनों से वंचित रहना आदि हो सकते हैं।

परिकल्पना 2.7 : छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) में सार्थक अंतर नहीं है।

उपरोक्त तालिका क्र. 4.2 में छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) लिए 'टी' मान 6.9 है जो सार्थक है। छात्र–छात्राओं के मध्यमान की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि छात्रों का मध्यमान 6.59 है जबकि छात्राओं का

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

मध्यमान 10.92 हे इससे प्रदर्शित होता है कि छात्राएं छात्रों की अपेक्षा चिन्तित, मूडी, अकेली, विचारमग्न है **अतः परिकल्पना क्र. 2.7 अस्वीकार की जा सकती है।**

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) के लिए छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व में अंतर होने के कारण छात्राओं की घरेलू समस्या, कार्य का बोझ माता, पिता, शिक्षक द्वारा ध्यान न देना, समूह से दूर रहना, गरीब सुविधाओं का अभाव उदासी पाठयक्रम में कठिनाई आदि हो सकती है।

परिकल्पना 3 : विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त परिकल्पना को सुगमता हेतु निम्नलिखित सात भागों में विभक्त किया गया है।

3.1 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.2 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.3 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.4 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.5 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.6 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.7 विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मदिश्वास) का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त परिकल्पनाओं को बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण द्वारा परीक्षण किया गया

तालिका क्र. 4.3.2 : बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण : स्वतन्त्र चर व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा आश्रित चर शैक्षिक उपलब्धि

		प्रसरण विश्लेषण	मुक्तांश	वर्ग योग	औसत वर्ग योग	एफ F	सार्थकता
बहुस्तरीय R	=0.536	प्रतिगमन	1	11574.511	11574.51	162.12	0.00
वर्ग R	=0.287	शेषमांग	402	28701.34	71.396		
समायोजित वर्ग R	=0.286	सम्पूर्ण	403	40275.85			
प्रमाणिक त्रुटि	=8.45						

समीकरण के चर :–

चर	बी	प्रामाणिक त्रुटि	बीटा	'टी' मान	सार्थकता
व्यक्तित्व विशेषक 'B'	1.001	0.079	0.536	12.73	0.00
अचर	38.05	0.657		57.951	0.00

व्याख्या :–

प्रसरण विश्लेषण करने के बाद प्राप्त बहुस्तरीय प्रतिगमन 0.536 है जो सार्थक है 'एफ' (F) का मान 162.12 है। जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' का गुणांक का 'टी' मान 0.01 पर सार्थक है चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बंध है। बी (B) गुणांक 1.001 है। इसे इस तरह बताया जा सकता है कि चयनित व्यक्तित्व विशेषक की प्रत्येक इकाई पढ़ने के साथ शैक्षिक उपलब्धि की 1 इकाई बढती है। चयनित व्यक्तित्व विशेषक

Regional Institute of Education LIBRARY

प्रत्येक इकाई पढ़ने के साथ शैक्षिक उपलब्धि की 1 इकाई बढती है। चयनित व्यक्तित्व विशेषक की शैक्षिक उपलब्धि पर निर्भरता 28 % है। इस प्रकार व्यक्तित्व विशेषक उपलब्धि को प्रभावित करती है बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण निम्नलिखित है।

शैक्षिक उपलब्धि = 1.0 x B+ 38.045

तालिका 4.3.3 : बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण : स्वतंत्र चर व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) आश्रित चर शैक्षिक उपलब्धि

	प्रसारण विश्लेषण	मुक्तांश	वर्गयोग	औसत वर्ग योग	एक F	सार्थकता
बहुस्तरीय R = 0.592	प्रतिगमन	2	14104.902	7052.451	108.06	0.00
वर्ग R = 0.350	शेषभाग	401	26170.953	65.264		
समायोजित वर्ग R = 0.347	सम्पूर्ण	403	40275.85			
प्रामाणिक त्रुटि = 8.07						

समीकरण के चर :-

चर	बी	प्रामाणिक त्रुटि	बीटा	'टी' मान	सार्थकता
व्यक्तित्व विशेषक 'B'	0.702	0.089	0.376	7.873	0.00
व्यक्तित्व विशेषक 'D'	0.503	0.081	0.297	6.227	0.00
अचर	35.438	0.755		46.9670.00	

व्याख्या :-

प्रसरण विश्लेषण करने के बाद प्राप्त बहुस्तरीय प्रतिगमन 0.592 है जो सार्थक है। एफ (F) मान 108.06 है। जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। चयनित व्यक्ति विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) का B गुणांक का टी मान 0.01 पर सार्थक है तथा चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) का B गुणांक का टी मान 0.01 स्तर पर सार्थक है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक सहसम्बंध है तथा व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) का भी शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक सहसम्बंध है। 'बी' गुणांक 0.702 (व्यक्तित्व विशेषक 'B') तथा 0.503 (व्यक्तित्व विशेषक 'D') इसे इस प्रकार बताया जा सकता है कि चयनित व्यक्ति विशेषक 'B' की प्रत्येक ईकाई बढ़ने के साथ शैक्षिक उपलब्धि की 0.70 इकाई बढती है। तथा चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' की प्रत्येक इकाई बढने के साथ शैक्षिक उपलब्धि की 0.50 इकाई बढती है। R वर्ग 0.35 है चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) की शैक्षिक उपलब्धि पर निर्भरता 35 प्रतिशत है। इस प्रकार चयनियत व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं।

शैक्षिक उपलब्धि = 0.503 x D + 0.702 x B + 35.438

बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण से ज्ञात होता है कि शैक्षिक उपलब्धि पर चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान) का प्रभाव पाया गया। इसलिए परिकल्पना 3.2, 3.3 अस्वीकार की जा सकती है। जबकि व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया), 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला), 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति), 'H' (शर्मीला बनाम साहसी); 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) का प्रभाव नहीं पाया गया।

– – – 0 – – –

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal